हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 7 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

विभागीय रैंकिंग में सुधार लाएं - अपर कलेक्टर

मण्डला। अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में मंगलवार को स्कूल शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा केन्द्र, जनजातीय कार्य, तकनीकि शिक्षा तथा उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभाग की बैठक अपर कलेक्टर कक्ष में ली। बैठक में उन्होंने दिसंबर माह में दर्ज सीएम हेल्पलाइन की विभागवार-प्रकरणवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शिकायत के प्रकरणों की संख्या के आधार पर प्रतिदिन का लक्ष्य तय करते हुए फॉलोअप करें, जिससे आगामी दो सप्ताह में सभी प्रकरणों का सकारात्मक रूप से निराकरण कराया जा सके। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए अपर कलेक्टर ने कहा कि रैंकिंग मंथ की शिकायतों के साथ-साथ 50 दिवस से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों को भी समानांतर रूप से निराकृत कराएं। सभी विभाग अपनी विभागीय रैंकिंग में सुधार लाएं। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, लोक सेवा प्रबंधक, प्राचार्य आईटीआई सहित संबंधित संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला। बलमसिंह पिता धरम सिंह निवासी ग्राम बीरमपुर, तहसील नारायणगंज की 1 अगस्त 2025 को नाला के पानी में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण निकटतम वारसान को 4 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास के द्वारा मृतक के निकटतम वारसान पत्नि श्रीमती चंद्रवती पति बलम सिंह वरकडे.के खाते में आर्थिक सहायता की राशि प्रदाय की गई है।

गोंगपा ने कहा-इतिहास को कमजोर करने की साजिश

मंडला का नाम बदलने पर आक्रोशित गोंगपा

*** प्रशासन बोला-भ्रामक जानकारी फैला रहे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ने मंगलवार को बड़ा प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मंडला का नाम बदलकर 'माहिष्मती नगरी' करने की कथित योजना के विरोध में किया गया। गोंगपा का आरोप है कि यह मंडला के इतिहास और गोंडवाना की समृद्ध विरासत को बदलने का प्रयास है।

प्रशासन ने कहा-गलत संदर्भ में फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी

जिला जनसंपर्क विभाग ने सोमवार शाम को सोशल मीडिया पोस्ट और प्रेस नोट के माध्यम से स्पष्ट किया था कि मंडला का नाम बदलने संबंधी कोई प्रस्ताव न तो शासन स्तर पर है और न ही ऐसा कोई निर्णय लिया गया है।

प्रशासन ने कहा कि पूर्व में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए बयानों को गलत संदर्भ में प्रस्तुत कर भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है।प्रदर्शनकारी बोले-यह गोंडवाना के इतिहास को कमजोर करने की साजिश

गोंगपा ने प्रशासन के इस स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया है। पार्टी का कहना है कि मंडला केवल एक भौगोलिक नाम नहीं, बल्कि गोंडवाना की ऐतिहासिक राजधानी और आदिवासी स्वाभिमान का प्रतीक है। इस पहचान को 'माहिष्मती' जैसे भ्रामक और विवादित नाम से जोड़ने का प्रयास गोंडवाना के इतिहास को कमजोर करने की साजिश है।

गोंगपा ने प्रशासन से सवाल किया कि यदि मंत्री का बयान गलत था, तो उसे उसी मंच या उसी दिन असत्य क्यों नहीं बताया गया? पार्टी ने पूछा कि आंदोलन खड़ा होने के बाद ही सफाई क्यों दी जा रही है।

अक्टूबर में मंत्रियों के दिए गए बयानों पर जताया विरोध

दरअसल, यह विवाद अक्टूबर माह में मंडला में आयोजित कलचुरी समाज के एक कार्यक्रम से शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल और पीएचई मंत्री संपतिया उइके शामिल हुई थीं। समाज द्वारा मंडला में माहिष्मती नगरी होने के प्रमाणों का हवाला देते हुए इसे माहिष्मती नगरी घोषित करने की मांग रखी गई थी। मंत्रियों के उस दौरान दिए गए बयानों को लेकर अब गोंगपा विरोध कर रही है।

कल मंगलवार को मंडला स्टेडियम के नजदीक निषादराज मंगल भवन के सामने एक विशाल आम सभा आयोजित की गई। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर मरकाम, महासचिव अमान सिंह पोर्ते, प्रदेश अध्यक्ष इंजी. कमलेश तेकाम, डॉ. आनंद राय सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न जिलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा में शासन-प्रशासन को आड़े हाथो लिया गया मण्डला की विरासत को बदलने का आरोप लगाया गया साथ ही विभिन्न तरह के भ्रष्टाचार के आरोप भी शासन-प्रशासन पर लगाये गये गौंडवाना गणतंत्र पार्टी की सभा के बाद एक विशाल रैली निकाली गई जो कि नगर भ्रमण करती हुई जब एसबीआई कार्यालय के सामने पहुंची तो उसके आगे पुलिस द्वारा बेरिकेट्स लगाये गये थे और वहीं इन लोगों को रोका गया लगातार नारेबाजी करते गोगपा के कार्यकर्ता आगे जाना चाह रहे थे लेकिन प्रशासन यहीं आकर इनसे इनकी मांगों से संबंधित ज्ञापन स्वीकार किया इस दौरान शासन-प्रशासन का पुतला भी फूंका गया।

शुद्ध पेयजल प्रदाय के लिए पीएचई की खण्ड स्तरीय टीमें गठित

मण्डला। इंदौर जैसे शहर में प्रदूषित जल के कारण बीमारी को देखते हुए जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और संक्रमण को रोकने के लिए विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन और डिसइंफेक्शन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मंडला द्वारा जिले के सभी उपखंडों के लिए सहायक यंत्रियों के नेतृत्व में इसके लिए टीमों का गठन किया गया है। गठित टीमों में सहायक यंत्रियों के साथ संबंधित क्षेत्र के उपयंत्री और केमिस्ट को भी शामिल किया गया है। सभी गठित टीमों द्वारा खण्ड क्षेत्र के मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही के लिए कार्य किया जायेगा। प्रतिदिन जल प्रदाय से पूर्व पानी में आवश्यक ब्लीचिंग पाउडर, सोडियम हाइपोक्लोराईड केमिकल आदि के माध्यम से जल शोधन सुनिश्चित होने की मॉनिटरिंग की जायेगी। साथ ही विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदाय की गई वाटर टेस्टिंग किट से ग्राम स्तर पर ही पेयजल की समय-समय पर जांच भी कराई जायेगी। पेयजल एवं जल परीक्षण से संबंधित समस्या के निराकरण लिए अधिकारी/कर्मचारी नियुक्त किया गया है।

डकैती के पांच आरोपी जबलपुर से गिरफ्तार, रकम एवं उपयोग की गई कार बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दिनांक 31.12.2025 को फरियादी सुनिता मौसी उर्फ शबनम (आयु 32 वर्ष), निवासी कचहरी मोहल्ला, थाना कोतवाली मंडला द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 30.12.2025 को अपने पर्स में 1,50,000/- रखकर पार्वती मौसी के साथ मोटरसाइकिल में बैठकर बड़ी खैरी जा रही थी। रात्रि लगभग 08:50 बजे हनुमान घाट के आगे सफेद रंग की कार ने मोटरसाइकिल को साइड से टक्कर मारी, जिससे वह गिर गई और पर्स रोड पर छिटककर गिर गया। उसी समय कार से दो व्यक्ति उतरकर पैसे से भरा पर्स उठाकर फरार हो गए।

रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मंडला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा द्वारा आरोपियों पर रूपये 10,000 का ईनाम की घोषणा की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा संभावित रूट का पता लगाने एवं साक्ष्य एकत्रित करने हेतु तकनीकी साक्ष्य एवं सयबर सेल की सहायता से जानकारी एकत्रित की गई। पुलिस टीम द्वारा तत्पर एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए सफलता प्राप्त की तथा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी सलमान खान फरियादी के समूह की एक सदस्य से कुछ समय से परिचित था. आरोपी सलमान खान द्वारा परिचय का लाभ उठाकर स्वयं आना जाना एवं रेकी कर गोपनीय रूप से इनकी प्रतिदिन की गतिविधियों एवं रूपये की जानकारी एकत्र कर ली गई थी। इन्हीं जानकारियों के आधार पर आरोपीगण जबलपुर से टाटा जेस्ट कार क्रमांक MP 20 TA 1157 से मंडला आए तथा अपनी पहचान छुपाने एवं पुलिस को भ्रमित करने के लिए कार का नंबर काले टेप से बदलकर 4757 कर दिया व काले टैप से MP 20 को छिपा दिया था, घटना स्थल की रेकी की एवं योजना के तहत पीछे से टक्कर मारकर पर्स लूटकर अंजनिया मार्ग से जबलपुर भाग गए तथा बीच मार्ग में ही रुपये बाँट लिए।

गिरफ्तार आरोपी में इमरान अंसारी पिता मोबीन अहमद, 25 वर्ष, जिला जबलपुर, श्याम सुंदर चौहान पिता रामकुमार चौहान, 35 वर्ष, जिला जबलपुर, दीपक चौधरी पिता मुरारीलाल चौधरी, 39 वर्ष, जिला जबलपुर, मोह. सलमान पिता मोह. अकरम, 28 वर्ष, जिला जबलपुर, सलमान खान पिता मोह. सलीम, 28 वर्ष, जिला जबलपुर शामिल रहे।

जप्त सामग्री में लूटी गई राशि में से 32,100/- नकद बरामद (शेष राशि की बरामदगी हेतु प्रयास जारी), एक सफेद टाटा जेस्ट कार क्रमांक=MP 20 TA 1157 की जप्ती की गई।

एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा, निरीक्षक शफीक खान, निरीक्षक (रेडियो) कृष्ण गोपाल जगाती, उनि. संजीव उइके, उनि. सुरजीत सिंह परमार, सउनि भूमेश्वर बामनकर, सहा. उप निरी. (रे.) संतोष कुमरे, आरक्षक मृदुल, प्रियांश, रमेश, यमुना, राजकुमार मानसिंह दिनेश, मधुर, दुर्गेश, धीरू, सुरेश की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त मामले में अधिकारी कर्मचारी को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

ग्राम अचली में श्रमदान से हुआ विशाल बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्राम पंचायत सेमरखापा के पोषक ग्राम अचली के नाला में बोरी बंधान का कार्य स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं श्रमदान के माध्यम से हुआ। यहां जल संरक्षण व संवर्धन के लिए लगभग 210 बोरियों का विशाल बोरी बंधान किया गया। जिसमें समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कर रहे छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। यह श्रमदान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मंडला द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अचली, नवांकुर संस्था धेनु बाड़ी गौ संरक्षण समिति सेमरखापा तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी, विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया, प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं शपथकर्ता इंदो बाई पति मनगर लाल आयु 37 निवासी सिध्द चौक घुघरी तहसील व जिला मण्डला का होकर निम्न कथन शपथपूर्वक सच-सच करता/ करती हूँ 1 यह कि शपथकर्ता/शपथकर्ती उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। 2. यह कि मुझ शपथकर्ता/शपथकर्ती का वास्तविक नाम इंदो बाई हैं जो मेरे मूल निवासी प्रमाण पत्र म दर्ज है जो कि सत्य व सही है किन्तु मेरे आधार कार्ड (नं. 5006-7586-3513) में मेरा नाम नान्दो बाई कर दिया गया है जो कि गलत हैं, मेरा वास्तविक नाम इंदो बाई है जो कि मेरे मूल निवासी प्रमाण पत्र में दर्ज है। 3. यह कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज मेरा नाम नान्दो बाई के स्थान पर मेरा वास्तविक नाम इंदो बाई अंकित किये जाने हेतु मै अपना स्वयं का यह शपथ पत्र निष्पादित कर रहा / रही हूँ मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य व सही है असत्य पाये जाने पर सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ती
इंदो बाई

नाम सुधार सूचना

मैं शपथकर्ता बुधिया बाई पति विशनूदास निवासी ग्राम देवदरा राजीव कॉलोनी बिझिया का होकर निम्न कथन शपथपूर्वक सच-सच करता/करती हूँ 1 यह कि शपथकर्ता / शपथकर्ती उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। 2. यह कि मुझ शपथकर्ता / शपथकर्ती का वास्तविक नाम बुधिया बाई पति विशनूदास हैं जो मेरे भारतीय निर्वाचन पत्र म दर्ज है जो कि सत्य व सही है किन्तु मेरे आधार कार्ड (नं. 8544-8343-2536) में मेरा नाम विद्या बाई पालेश्वर पति नरेश पालेश्वर कर दिया गया है जो कि गलत हैं, मेरा वास्तविक नाम बुधिया बाई पति विशनूदास है जो कि मेरे भारतीय निर्वाचन प्रमाण पत्र में दर्ज है। 3. यह कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज मेरा नाम विद्या बाई पालेश्वर पति नरेश पालेश्वर के स्थान पर मेरा वास्तविक नाम बुधिया बाई पति विशनूदास अंकित किये जाने हेतु मै अपना स्वयं का यह शपथ पत्र निष्पादित कर रहा/ रही हूँ मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य व सही है असत्य पाये जाने पर सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकर्ती
बुधिया बाई

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना कमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत श्री शोभाकांत झा डोलोमाईट माईन, माईनिंग ऑफ मिनरल्स, खसरा नं. 833, 834, 835 एवं 836. ग्राम मुगदरा, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला, लीज क्षेत्रफल 1.56 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता आर.ओ.एम.-26,707 टन प्रतिवर्ष (डोलोमाईट-19,906 टन प्रतिवर्ष, लेटेराईटिक सॉयल-4,172 टन प्रतिवर्ष, इंटरकेलेटेड वेस्ट-2,629 टन प्रतिवर्ष) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अग्रेंजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर मण्डला (2) कार्यालय जिला पंचायत, मण्डला, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द मण्डला, (4) ग्राम पंचायत ग्राम मुगदरा, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला, (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड कमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर में कार्यालयीन समय मे किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 11/02/2026 दिन बुधवार को प्रातः 11.00 बजे श्री शोभाकांत झा डोलोमाईट माईन, माईनिंग ऑफ मिनरल्स, ग्राम मुगदरा, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला, के खदान परिसर के समीप आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना कमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स महावीर मिनरल्स, डोलोमाईट एण्ड लेटेराईट सॉयल माईन, खसरा नं. 98 ग्राम, भटियाटोला, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला लीज क्षेत्रफल 2.83 हेक्टेयर, माईनिंग ऑफ मिनरल्स उत्खनन क्षमता आर.ओ.एम.-48779.8 टन प्रतिवर्ष (डोलोमाईट-34399 टन प्रतिवर्ष, लेटेराईट सॉयल-5965.4 टन प्रतिवर्ष, ओ.बी.-8415.4 टन प्रतिवर्ष) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अग्रेंजी में सॉफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर मण्डला (2) कार्यालय जिला पंचायत, मण्डला, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द मण्डला, (4) ग्राम पंचायत ग्राम, भटियाटोला, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर में कार्यालयीन समय मे किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 11/02/2026 दिन बुधवार को दोपहर 12:30 बजे मेसर्स महावीर मिनरल्स, डोलोमाईट एण्ड लेटेराईट सॉयल माईन, ग्राम, भटियाटोला, तहसील नैनपुर, जिला मण्डला के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका, टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

बैठक | **उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में 9 एवं 10 जनवरी को विशेष कैम्प लगेंगे।**

निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण संबंधी बैठक संपन्न

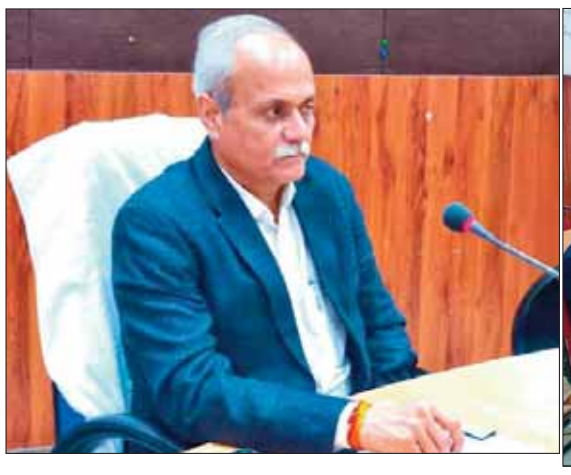

*** पोर्टल पर फॉर्म-6 ऑनलाईन भराए जाएंगे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल किए जाने के लिए 9 एवं 10 जनवरी को विशेष कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। एक जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले ऐसे विद्यार्थी जिनका नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है, उनके लिए कैम्प के माध्यम से निर्धारित फॉर्म-6 ऑनलाईन तथा ऑफलाईन भरा जाना है।

जिला योजना भवन में संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं के नोडल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने सभी नोडल अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी संस्था के कक्षा प्रभारियों से अर्हता तिथि की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों की सूची तैयार कराएं। सूची अनुसार निर्वाचक नामावली में नाम जुड़वाने के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने बीएलओ के माध्यम से नोडल अधिकारियों को फॉर्म-6 उपलब्ध कराएंगे। सभी नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ईसीआई नेट ऐप एवं पोर्टल पर फॉर्म-6 ऑनलाईन भराए जाएं। जिन विद्यार्थियों के फॉर्म भरे जा रहे हैं, उन्हें क्षेत्र के बीएलओ सुपरवाईजर के माध्यम से निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उपलब्ध कराएं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि संस्थाओं के नोडल अधिकारियों की विशेष जिम्मेदारी है कि 9 एवं 10 जनवरी को आयोजित होने वाले कैम्प में संस्था के भीतर अर्हता रखने वाले सभी विद्यार्थियों के निर्धारित फॉर्म भरे जाएं। इस दौरान पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य पॉलीटेक्निक कॉलेज, प्राचार्य आईटीआई तथा सभी विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाइक की टक्कर से घायल

चीचली। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम मऊ निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसका लड़का अभिषेक अपनी मोटर साईकिल क्रमांक **MP**49**MQ**9918 से बहिन सबिता के साथ मानेगांव गया हुआ था जो रास्ते में एक मोटर साईकिल क्रमांक **MP**49**MN**5113 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपनी मोटर साईकिल को चलाते हुये टक्कर मारे जाने के चलते प्रार्थी के बेटा व बेटी को चोट पहुंचने से पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते ये जांच में लिया गया है।

अवैध रूप से हथियार लेकर घूमते हुये किया गिरफ्तार

चीचली। पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये जाने के लिये की जा रही गस्त के दौरान ग्राम गोटीटोरिया बस स्टैन्ड के पास एक युवक अपने हाथ में तेज धारदार हथियार लेकर घूमते हुये लोगों में दहशत फैलाने का प्रयास करते हुये पकड़कर जब आरोपी से पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम दुर्गा पिता हाकम सिंह कौरव निवासी मोहपानी बताया गया। इस तरह पुलिस ने आरोपी के पास से बकानुमा हथियार जप्त करते हुये धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरफ्तार किया गया है।

तीन ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कुडारी निवासी युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह किसी काम से जा रहा था उसी दौरान गांव के विनोद कौरव, गोलू एव संदीप कौरव मिले जो पुरानी बुराई को लेकर रास्ता रोकते हुये प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

महिला के घर में फैंकी जा रही शराब खाली बाटल

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम चांदनखेड़ा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि उसका बेटा गाडरवारा रहता है तथा गांव में अकेली रहती है। पडौस में ही रहने वाले श्रेयांश व राज कौरव आये दिन शराब पीकर प्रार्थिया के घर के आंगन में शराब की खाली वाटल फैंक देते हैं। इसी बात के चलते बीते हुये दिवस जब प्रार्थिया द्वारा आरोपियों की माँ से इस संबंध में शिकायत की गई तो दोनों युवकों ने महिला को गंदी गंदी गालिया देते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मेड पर लगे हुये पेड़ की बात को लेकर मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम खरैटी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके खेत से ग्राम के गोविंद किरार का खेत लगा हुआ है और मेड पर एक रमझा का पेड़ लगा हुआ है। गोविंद द्वारा उस पेड़ को तार बाड़ी लगाते हुये अपनी ओर कर लिया गया। इस संबंध में जब गोविंद से कहा कि यह पेड तो मेरी जगह में है उसको तुमने अपनी ओर क्यों कर लिया गया। इसी बात को लेकर गोविंद तथा उसके बेटा दीपक और अमान द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोट पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पिता पुत्र के साथ की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम महुआखेड़ा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब अपने घर था उसी समय गांव के गुड्डा ठाकुर और उसका लडका आकाश तथा अमित आये और प्रार्थी के पिता से गंदी गंदी गालिया देते हुये बोले की तेरा लड़का कहा है जब प्रार्थी बाहर आया तो प्रार्थी के साथ लाठी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई। इस दौरान प्रार्थी के पिता द्वारा बीच बचाव करने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना को लेकर पुसिल ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियो के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

करोड़ों की लागत से निर्मित हुई क्षेत्र की नहरें साबित हो रही औचित्व विहीन, टूट फूट होने के साथ ऊंग रही झाड़ियां विभाग की उदासीनता को कर रही उजागर..?

हरिभूमि न्यूज/खुलरी

पानी छोड़ने का इंतजार करते हुये

शासन द्वारा चलाई जाने वाली किसी योजना का यदि समय पर किसानों को लाभ मिले तभी उस योजना का महत्व बढ़ जाता है और जन हितैषी कही जाती है। यदि उस योजना का किसानों को लाभ मिलने की जगह मात्र दिखाबा साबित हो तो निश्चित ही उस योजना का औचित्य ही समाप्त होने से नही चूकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में बनी हुई नहरों को देखते हुये जान पड़ रहा है। बताया जाता है कि शासन द्वारा क्षेत्र में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करने के साथ साथ करोड़ो की राशि खर्च करते हुये नहरों का निर्माण कराया गया था तो क्षेत्र के किसानों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि अब उन्हें अपने खेतों में सिंचाई करने के लिये पानी की समस्या से नही जूझना पड़ेगा। मगर क्षेत्र के किसानों की यह सोच मात्र एक सपना साबित होने से इसलिये नही चूक पा रही है । क्योंकि जब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने का समय आता है तो बरगी नहर प्रबंधन द्वारा नहरों में पानी ही नही छोड़ा जाता है, जिसके चलते करोड़ो की राशि से बनी हुई क्षेत्र की यह नहरे जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन नहरों के संचालन को लेकर शासन द्वारा समितियों का गठन निर्वाचन प्रकिया के तहत पूर्ण किया जाता है, जिसके चलते पूर्व में गठित समितियों का कार्यकाल पूर्ण हो जाने के कारण इस समय क्षेत्र की नहर व्यवस्था अधिकारियों के भरोसे चलने के कारण मनमानी का शिकार होते हुये देखी जा रही है। इसी का परिणाम है कि किसानों को क्षेत्र में बनी इन नहरों का किसी भी प्रकार का कोई लाभ मिलते हुये दिखाई नही पड़ रहा है। इस समय किसानों द्वारा अपने खेतों में चना, गेहू सहित अन्य फसलों की बुआई करने के साथ साथ जिन किसानों द्वारा नया गन्ना रोपित किया गया है उन्हें सिंचाई के लिये पानी की जरूरत है। मगर इन नेहरों में किसी तरह से पानी नही छोड़े जाने के चलते जहां शोभा की सुपारी बन कर रह गई है..? वही दूसरी ओर करोड़ो की लागत से बनाई गई इन नहरों में जहां तहां टूट फूट होने के साथ साथ झाडिया ऊगते हुये दिखाई दे रही है वह निश्चित तौर से विभाग की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इस स्थिति में इन नहरों का निर्माण औचित्य विहीन बन चुका है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब नहरों का उपयोग ही नही होना था तो फिर सरकारी धन की होली खेलने का क्या मतलब रहा होगा..? इतना नही नही यदि नहरों के निर्माण की गुणवत्ता पर नजर डाली जावे तो यह हाल देखने मिल रहा है कि बगैर उपयोग किये ही नहरे टूटते हुये अपनी गुणवत्ता को खुद ही उाजगर करने में पीछे नही है...? सही मायने में देखा जावे तो करोड़ो की लागत से बनी हुई यह नहरे क्षेत्र के किसानों के लिये औचित्य विहिन होते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। हैरत की बात तो यह है कि अपने निर्माण के बाद बगैर उपयोग हुये ही टूटती हुई इन नहरों की ओर न तो नहर विभाग द्वारा किसी भी तरह से ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा जिसके चलते जहां करोड़ो की लागत से बनी हुई नहर मात्र शोभा की सुपारी बनकर रहने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर क्षेत्र में बनाई गई नहरों के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही विभाग की उदासीनता के चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इन नहरों का निर्माण कार्य किया गया है उसके चलते लगातार टूटते हुये दिखाई दे रही है, जिससे क्षेत्र की नहरे अपने निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी उजागर करने के साथ साथ उन अधिकारियों की कार्य प्रणाली को भी उजागर करने से नही चूक रही है जिनकी देख रेख में इन नहरों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया था..? जिस सोच के चलते शासन द्वारा नहरों के निर्माण के लिये क्षेत्र के सैकड़ो किसानों की भूमि अतिग्रहण करते हुये करोड़ो की राशि खर्च कर क्षेत्र में नहरों का निर्माण कराया गया है। मगर इस समय क्षेत्र के किसानों को जरूर पड़ने पर पानी नही छोड़े जाने के कारण क्षेत्र के किसानों के लिये यह नहरे अनुपयोगी साबित होते हुये दिखाई देने लगी है। क्योंकि जरूरत के समय यदि किसानों को इन नेहरों का लाभ नही मिल पा रहा है तो फिर क्षेत्र में इन नेहरों के बनाये जाने का महत्व अपने आप ही समाप्त हो जाता है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई है कि शीघ्रता से ही गाडरवारा तहसील क्षेत्र की नहरों की सफाई कराते हुये उनमें पानी छोड़ने के लिये संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये किसानों को इस परेशानी की घटी में सहायता प्रदान कराई जावे जिससे किसान अपनी फसलों को बचाने में सफल हो सके।

शेखर व्हीकल्स ने अपने ग्राहकों को नपा अध्यक्ष की मौजूदगी में वितरित किये लाखों के इनाम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित ही जब कोई व्यक्ति किसी भी संस्थान से वाहन खरीदता है तो उसकी सोच रहती है कि उसे अपने वाहन की अच्छी सर्विस मिलने के साथ साथ सम्मान मिले। कुछ इसी प्रकार से शेखर व्हीकल्स द्वारा अपने ग्राहको को सम्मान देते हुये देखे जाते है। बताया जाता है कि बीते हुये 22 सितम्बर से 31 दिसम्बर के बीच शेखर व्हीकल्स से बाइक खरीदने वाले ग्राहको के लिये ग्राहको के लिये जिस प्रकार से ड्रा के माध्यम से लाखों के इनाम प्रदान किये गये है उसके चलते उनके चेहरों पर अनोखी मुस्कान दिखाई देने से नही चूक पाई है। बताया जाता है कि बीते हुये मंगलवार को नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा रचना एंटरप्राइजेज के संचालक सिद्धांत जायसवाल सहित पार्षद आनंद दुबे, शिवम राजपूत, पत्रकार रवि खजांची, कमल राजपूत, लाल साहब कौरव, अब्दुल फिरोज खान, मकसूद खान व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अनीता रवि शेखर जायसवाल की मौजदूगी में ड्रा खोला

गया। इस लकी ड्रा में 450 ग्राहको को शामिल किया गया था। वही बताया जाता है कि एकत्र किये गये कूपनों को ग्राहको के बीच में बैठे हुये लोगों से निकल वाया गया था। इस तरह लकी ड्रा के माध्यम से पाँच सम्माननीय ग्राहकों में शामिल सुखराम जाटव, सूरज नौरिया, कमलेश कुमार मेहरा, कपिल कुशवाहा, अरविंद जाटव को फ्रिज प्रदान किये गये। वही रत्नेश कहार को वॉशिंग मशीन तथा संजू अहिरवार को भाग्य शाली विजेता बनने पर एलईडी टीवी प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त छोटू कहार, दुर्गा कीर, राज पटवा, कौशल शर्मा एवं संजय कुमार बंशकार को मिक्सी प्रदान की गई। वहीं 5 अन्य ग्राहकों को कंबल तो अन्य ग्राहको के लिये लकी ड्रा के माध्यम से निकले हुये कपूनों के चलते 5 प्रेस, 5 रूम हीटर, 5 कुकर व 3 केतली तथा 12 के थर्मस प्रदान किये गये। इस अवसर पर शेखर व्हीकल्स के संचालक रवि शेखर जायसवाल ने सभी ग्राहकों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुये बताया कि हमारे संस्थान में सदा ही ग्राहको के लिये सम्मान व उनकी समस्याओं के निराकरण के लिये प्राथमिकता प्रदान की जाती है।

शिक्षकों की अपडाऊन प्रणाली से अध्यापन कार्य प्रभावित

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है। वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है। वही शासकीय में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है। इस कारण से कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है। शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है। वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है। जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है, ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो सांईखेड़ा ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है मगर उनका संचालन अन्य दूसरी जगहो से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है?

चंद लोगों द्वारा बिल जमा नहीं किये जाने से बिजली विभाग ने पूरे गांव को अंधियारे में रहने के लिये कर दिया मजबूर

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। जब कोई व्यक्ति शासन के नियमों का पालन नही करता है तो उसे सजा मिलना बुरी बात नही है। मगर जो व्यक्ति नियमों का पालन कर रहा हो और साथ में उसे भी सजा दी जावे तो यह मनमानी का खुला प्रमाण है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सिहोरा विद्युत वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कल्याणपुर में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि बिजली विभाग द्वारा बीते हुये 15 दिनों से पूरी गांव की लाईन बंद रखते हुये समय पर अपने बिलों का भुगतान करने वाले लोगों को भी अधियारे में रहने के लिये मजबूर कर दिया गया है। बताया जाता है कि ग्राम कल्याणपुर में स्थापित विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने के चलते बिजली विभाग द्वारा उसे उठाकर ले जाया गया था। मगर उसमें सुधार कार्य नही किये जाने के चलते पूरा गांव अंधेरे में रहने के लिये मजबूर है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो उनका कहना है कि जब तक पूरे गांव का बिजली बिल भुगतान नही हो जाता है तब तक ट्रांसफार्मर स्थापित नही किया जावेगा। वही ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लगभग 70 प्रतिशत उपभोक्ता इस तरह है कि जो अपने बिजली बिलों को समय पर जमा करते है। मगर मात्र 30 प्रतिशत के लगभग उपभोक्ता है जो विभाग

के कर्मचारियों की सह प्राप्त होने के चलते बिजली बिल जमा नही करते है। मगर इस तरह बिलों को जमा करने वाले उपभोक्ताओं को अधियारे में रखना बिजली विभाग की मनमानी पूर्ण कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक रहा है..? ग्रामवासियों का कहना है कि जो लोग बिल जमा नही कर रहे है उनकी बिजली काट दी जावे या फिर अन्य किसी तरह की कोई कार्यवाही की जावे जिससे वह अपने बिलों का भुगतान करे। मगर जो लोग बिलों का समय पर भुगतान करते है उन्हे इस तरह अंधियारे में रखना क्या मनमानी की श्रेणी में नही आता है..? इस तरह बीते हुये लगभग 15 दिनों से गांव की लाईन बंद रहने के चलते लोगों को पीने के पानी की समस्या के साथ साथ अन्य परेशानियों से जूझने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

कथा के आयोजन में उमड़ रहा जन सैलाब, श्रीमद भागवत कथा के श्रवण से मिलता हैं पुण्य लाभ - जयंती किशोरी शर्मा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय जगदीश वार्ड मे भागवत सेवा समिति द्वारा बीते हुये 3 जनवरी से जारी संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के आयोजन से माहौल धर्ममय बना हुआ हैं। कलश यात्रा से प्रारंभ हुए इस आयोजन मे प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संगीतमय श्रीमद भागवत कथा सुनने के लिये भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। वही कथा मे कथा वाचिका सुश्री जयंती किशोरी शर्मा द्वारा प्रतिदिन संगीतमय श्रीमद भागवत कथा में प्रवचन दिये जा रहे है। वही कथा के चौथे दिन मंगलवार को उन्होंने गजेंद्र मोक्ष एवं भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुनाई। इस दौरान उन्होंने भगवान कृष्ण जन्म का वर्णन सुनाते हुये कहा कि जब जब पृथ्वी पर पाप बढ़ते है, अधर्म का

बोल बाला होता है, तब तब धर्म की रक्षा के लिए भगवान जन्म लेते है। क्योंकि कंस प्रत्येक बार देवकी की संतानो का वध कर देता था लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भगवान कृष्ण का जन्म हुआ और इस दुनियों को कंस के अत्याचारों से मुक्त कराया गया। जयंती किशोरी ने कथा में आगे कहा कि जीवन में बुरे दिनों के बाद अच्छे दिन भी आते है। इसीलिये कभी भी बुरे दिनों से निराश नहीं होना चाहिये। भागवत कथा को पूर्ण ध्यान से सुनना चाहिए। भगवान की कथा सुनने से दुखों से निपटने का मार्ग मिलता है, जो भी व्यक्ति कथा का श्रवण करता हैं उसे पुण्य लाभ मिलता हैं। भागवत कथा से मन को शांति मिलती हैं एवं अच्छे संस्कार सीखने मिलते हैं। श्रीमद भागवत कथा जीवन मे सदमार्ग पर चलने की सीख देती हैं।

सुअरों के विचरण पर नियंत्रण न लगने से शहर में फैला रहा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्वाईन फ्लू जैसी जानलेवा बीमारी के वायरस फैलाने में अहिम माने जाने वाले सुअरो के खुलेआम विचरण पर प्रभावी नियंत्रण न लगने का परिणाम है कि सैकड़ो की तादाद में रोज नगर में सुअर झुंड के रूप में घूमते हुए देखे जा रहे है तथा इस स्थिति के चलते लोगो दहशत फैला रहे है कि कही अब चल रहे ठंड के मौसम में स्वाईन फ्लू वायरस अपनी आमद न दे डाले? क्योंकि नगर में जहां तहां घूमने वाले इन सुअरों से मुक्ति मिलना फिलहाल शहरवासियों को कठिन जान पड़ रहा है। गौरतलब है इन दिनों नगर के वार्डो, कालोनियो सहित शुक्रवारा सब्जी बाजार में तो सुअरों की उन्मुक्त विचरण लीला लगातार जारी है ही साथ ही सुअरो ने अब शहर लोगों के घरों के पास भरे रहने वाले पानी में भी अड्डा बनाने से नही चूक रहे है। जिसके चलते निश्चित तौर से यह भ्रमण करने वो सुअर शहर में गंदगी फैलाने के साथ साथ बीमारियों को जन्म देते हुये जान पड़ रहे है। कुछ इसी प्रकार से नगर की गल्ला मंडी के एक शेड के पीछे बड़े गड्ढे में पानी भरा रहने से वह सुअरो की शायद पसंद आ गया है। इसलिए इस गड्ढे में रात दिन सुअरों का जमावड़ा लगा रहता है और मौका मिलते ही ये अनाज की ढेरियों के पास पहुँच किसानों को परेशानी में डाल देते है। नगर के शुक्रवारा बाजार के पास सब्जियो की दुकानें लगाने वालों का कहना है कि आवारा सुअरो के विचरण से उन्हे सब्जियो की सुरक्षा करनें मुश्किल हो रहा है,

शहर के वाहन मालिकों ने बताया कि चौराहो से लेकर मुख्य सड़कों पर सुअरों के घूमने से यातायात व्यवस्था पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। वही दूसरी ओर कभी कभी देखा जाता है कि इन सुअरो की धमाचौकड़ी से वाहन चलाना भी मुश्किल होने के साथ उनकी जन्दगी खतरे से खाली नही रह पाती है। इसी तरह मस्जिद, मंदिरो के इर्द गिर्द प्रतिदिन शूकरो के घूमने से इन पवित्र जगहो पर जाने में भी श्रद्धालुओं को दिक्कत हो रही है। जिसके चलते अब यह सुअर जहां सभी वर्ग के लोगों को परेशानी का कारण बनते हुये देखे जाने लगे है। मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा इन सुअरों के भ्रमण पर अंकुश लगाने के लिये कोई उचित कदम नही उठाये जाने से लग रहा है कि शायद अब शहरवासियों को कोरोना वायरस की जंग लड़ने के साथ साथ स्वाईन फ्लू की महामारी से भी जूझने के लिये मजबूर होना पड़ेगा?

शासकीय कार्यालयों में किराये से लगाने वाले वाहनों में शासन के नियमों को किया जा रहा है नजर अंदाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आबादी के बढ़तो दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है,जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है। वही गौर किया जावे तो बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्याापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है।

खबर संक्षेप

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत खजरी मॉल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी ।बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने के उद्देश्य से संचालित 100 दिवसीय इंटेंसिव थीम आधारित "बाल विवाह मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत 06 जनवरी 2026, मंगलवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उप स्वास्थ्य केंद्र खजरी मॉल, अमरपुर (जिला–डिंडौरी) में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंह सिंगोर के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर, डिंडौरी द्वारा आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह अभियान 27 नवंबर 2025 से 08 मार्च 2026 तक जिले में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती सविता धार्वे ने उपस्थित बालिकाओं एवं महिलाओं को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने बाल विवाह के सामाजिक, स्वास्थ्यगत एवं कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह न केवल एक गंभीर सामाजिक बुराई है, बल्कि यह कानूनन दंडनीय अपराध भी है।इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं वन स्टॉप सेंटर हेल्पलाइन नंबर 7828195167 के संबंध में विस्तार से बताया गया, ताकि आवश्यकता की स्थिति में वे तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक रहने एवं समाज में इसके उन्मूलन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (**BPM**) की भी उपस्थिति रही। जिले में बाल विवाह की रोकथाम एवं जनजागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

जिला टास्क फोर्स व सतर्कता समिति की बैठक सम्पन्न

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला टास्क फोर्स समिति एवं जिला सतर्कता समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक टी.एल. मीटिंग के पश्चात अपरान्ह 02 बजे से प्रारंभ हुई, जिसमें जिले में बंधक श्रम उन्मूलन एवं संबंधित अधिनियमों के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में बंधक श्रम (उत्सादन) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत विमुक्त कराए गए कुल 04 बंधक श्रमिकों को तात्कालिक राहत प्रदान की गई। इनमें सुश्री गीता बाई (उम्र 20 वर्ष), सुश्री संगीता समरदैया (उम्र 18 वर्ष), उमेश कुमार (उम्र 19 वर्ष) एवं लालू सिंह (उम्र 60 वर्ष) शामिल हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी विमुक्त बंधक श्रमिकों को पृथक-पृथक 30,000 की तात्कालिक आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि बंधक श्रम, बाल श्रम एवं श्रमिकों के अधिकारों से संबंधित अधिनियमों की जानकारी आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए। इसके लिए उन्होंने निर्णय लिया कि प्रत्येक शनिवार को संबंधित निकायों में आयोजित होने वाले लोक कल्याण शिविरों के माध्यम से इन अधिनियमों के बारे में जागरूकता दी जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति शोषण का शिकार न हो और समय रहते प्रशासन तक अपनी बात पहुंचा सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और बंधक श्रम उन्मूलन के लिए आपसी समन्वय के साथ निरंतर कार्रवाई करने पर बल दिया गया।

साप्ताहिक जनसुनवाई में 44 आवेदनों पर हुई सुनवाई

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों में समय-सीमा निर्धारित कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

शहपुरा में सीबीएमओ बदले गए, 7 घंटे चली उच्च स्तरीय जाँच

आयुष्मान योजना में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त

शहपुरा/डिंडौरी।

विकासखंड शहपुरा में आयुष्मान योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि वितरण में अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर के निर्देश पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की गई है।

सीबीएमओ से हटाया गया प्रशासनिक व वित्तीय प्रभार

जारी आदेश के अनुसार खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं सीबीएमओ शहपुरा डॉ. सत्येन्द्र परस्ते को प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहन्दवानी में संलग्न किया गया है। वहीं डॉ. रत्नेश द्विवेदी को आगामी आदेश तक शहपुरा सीबीएमओ का अस्थायी प्रभार सौंपा गया है।

एसडीएम के नेतृत्व में व्यापक जाँच

मंगलवार 6 जनवरी को एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्या वर्मा के नेतृत्व में गठित जाँच समिति ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में दस्तावेजों की विस्तृत जाँच की।

सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक चली इस कार्रवाई में आयुष्मान योजना की प्रोत्साहन राशि से संबंधित अभिलेखों की बारीकी से समीक्षा की गई तथा डॉक्टरों एवं कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए।

नियमों के उल्लंघन की आशंका

प्रारंभिक जाँच में संकेत मिले हैं कि प्रोत्साहन राशि के वितरण में शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया। पात्र हितग्राहियों को लाभ न मिल पाने और अपात्र व्यक्तियों को राशि दिए जाने की संभावनाओं की जाँच की जा रही है।एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्या वर्मा ने बताया कि जाँच पूरी निष्पक्षता के साथ की जा रही है।उन्होंने कहा,सभी संबंधित पक्षों के कथन लिए गए हैं। तथ्यों के आधार पर विस्तृत जाँच रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएगी।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि जाँच में अनियमितताएँ प्रमाणित होती हैं तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनुपयुक्त स्थल पर तालाब निर्माण, पारदर्शिता पर सवाल

अमरपुर।

जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कोको में रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में एक तालाब निर्माण को स्वीकृति दी गई थी, जिसका कार्य प्रारंभ तो कर दिया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक यह अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण स्थल पर नियमानुसार सूचना पटल भी नहीं लगाया गया है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव शिव प्रसाद यादव ने बताया कि तालाब निर्माण का कार्य बरसात से पूर्व प्रारंभ किया गया था। उन्होंने तालाब की कुल लागत लगभग 19 से 20 लाख रुपये बताई, लेकिन सटीक जानकारी देने में असमर्थता जताई। सचिव के अनुसार मजदूरी मद में करीब 6 लाख रुपये तथा सामग्री मद में लगभग 4 लाख रुपये व्यय किए जा चुके हैं। जब व्यय से संबंधित अभिलेख या रोकड़ बही देखने की मांग की गई तो सचिव पंचायत कार्यालय से बाहर निकल गए और अपने घर चले गए।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर तालाब का निर्माण किया जा रहा है, वह पूर्णतः अनुपयुक्त है। इसके बावजूद उपयंत्री द्वारा प्राक्कलन तैयार किया गया और सहायक यंत्री ने तकनीकी स्वीकृति भी प्रदान कर दी। लेआउट स्वीकृत होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।निर्माण स्थल की स्थिति देखकर यह स्पष्ट होता है कि उक्त तालाब से ग्रामीणों को निस्तार का कोई विशेष लाभ मिलने की संभावना नहीं है, जबकि निर्माण एजेंसी एवं संबंधित लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए अन्य निर्माण कार्य भी जांच के दायरे में हैं। यदि इन कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार उजागर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

ऑल इंडिया ओपन ब्हालीवाल प्रतियोगिता में लगातार तीसरी बार अमरपुर बनी विजेता

ग्रामीण स्तरीय में विदयपुर टीम रही विजेता

अमरपुर।

आदर्श क्लब नवयुवक मंडल भाखा विकासखंड अमरपुर के तत्वावधान में ग्राम भाखा माल में ऑल इंडिया ओपन एवं ग्रामीण स्तरीय चार दिवसीय ब्हालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें जनपद पंचायत अमरपुर सहित जिले व अन्य जिलों की नामीग्रामी टीमों के अलावा अन्य राज्यों के लगभग 25 टीमों ने भाग लिया। ऑल इंडिया ओपन प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल प्रदर्शन करते हुए अमरपुर टीम लगातार तीसरी बार प्रथम विजेता बनी। जिसे 16 हजार रुपए नकद व ट्राफी, उपविजेता टीम रायपुर (छत्तीसगढ़) को 8 हजार रूपए नगद व ट्राफी एवं वहीं पर ग्रामीण स्तरीय ब्हालीवाल प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम विदयपुर को 20 हजार रुपए नकद व ट्राफी, उपविजेता टीम भाखा ए को 10 हजार रूपए नगद व ट्राफी एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर भाखा बी टीम को 5 हजार रुपए नकद व ट्राफी ग्राम पंचायत सरपंच देवेन्द्र साण्डया, आयोजन समिति अध्यक्ष चंद्र सिंह उद्दे, उपसरपंच चंद्र बहादुर ठाकुर, सहायक सचिव हेमंत ठाकुर, आयोजन समिति उपाध्यक्ष तोप सिंह मरावी, सचिव मनीष गायकवाड, खेल सह संचालक नरेंद्र कुमार उद्दे, क्रीड़ा प्रभारी प्रीतम दास गायग्वाल, सफीक खान सहित अन्य अतिथिगणों, समिति सदस्यों के द्वारा प्रदान किया गया। आयोजित ऑल इंडिया एवं ग्रामीण स्तरीय ब्हालीवाल प्रतियोगिता में उद्घोषक की भूमिका में दीपक तिलगाम व सागर मरावी रहे। अत्याधिक ठंडी का मौसम होने के बावजूद ग्राम सहित आसपास गांवों के सैकड़ों खेलप्रेमी दर्शक देर रात्रि तक फाइनल मुकाबले के दौरान प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते रहे।

सीबीएसई मान्यता से नर्मदांचल विद्यापीठ को मिली नई पहचान

शहपुरा

जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल, बरगांव द्वारा संचालित नर्मदांचल विद्यापीठ को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की मान्यता प्राप्त हो गई है। यह उपलब्धि न केवल संस्था के लिए, बल्कि पूरे जनजातीय एवं ग्रामीण अंचल के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है।सीबीएसई की मान्यता मिलने से अब नर्मदांचल विद्यापीठ के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रणाली से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आधुनिक पाठ्यक्रम, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धति और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के माध्यम से विद्यार्थी अब देशभर की परीक्षाओं और करियर विकल्पों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि नर्मदांचल विद्यापीठ की स्थापना का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चों तक श्रेष्ठ, समान और संस्कारयुक्त शिक्षा पहुँचाना रहा है। सीबीएसई की मान्यता ने इस उद्देश्य को और अधिक मजबूती प्रदान की है। इस उपलब्धि के पीछे जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल, बरगांव के मार्गदर्शन, विद्यालय प्रबंधन की दूरदर्शिता, शिक्षकों की कड़ी मेहनत, कर्मचारियों के सतत प्रयास और अभिभावकों के विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल है। उनका मानना है कि अब क्षेत्र के बच्चों को बड़े शहरों की ओर पलायन किए बिना ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी।सीबीएसई मान्यता के साथ नर्मदांचल विद्यापीठ ने क्षेत्र में शिक्षा के नए युग की शुरुआत कर दी है, जो आने वाले वर्षों में जनजातीय और ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा।

डिंडौरी को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सख्त अभियान

डिंडौरी।

शासन के निर्देशानुसार चल रहे स्वच्छता अभियान के तहत डिंडौरी नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाए जाने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। माननीय कलेक्टर महोदय के निर्देश एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मार्गदर्शन में नगर परिषद डिंडौरी द्वारा 6 जनवरी 2026 को माँ नर्मदा जन्मोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए विशेष प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया।इस दौरान माँ नर्मदा महोत्सव ट्रेड मेला में लगे दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 17 किलो 300 ग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई तथा संबंधित दुकानदारों से कुल 1,900 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। नगर परिषद की टीम ने बाजार क्षेत्र, माँ नर्मदा घाटों एवं विभिन्न वार्डों में लगातार निरीक्षण कर दुकानदारों और नागरिकों को पॉलीथिन का उपयोग न करने की सख्त हिदायत दी। टीम द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि पर्यावरण संरक्षण एवं माँ नर्मदा को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ बनाए रखने के लिए पॉलीथिन पर पूर्ण प्रतिबंध अत्यंत आवश्यक है।मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे और डिंडौरी नगर को पूर्णतः पॉलीथिन मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि शहर को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के लिए इस मुहिम से जुड़ें तथा पॉलीथिन के स्थान पर कपड़े, जूट एवं कागज के थैलों का उपयोग करें।

उक्त कार्रवाई के दौरान नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नर्मदा जयंती होगी प्लास्टिक मुक्त, दोना-पत्तल का होगा उपयोग

डिंडौरी । जिला शांति समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में दिनांक 06 जनवरी 2026 को अपरान्ह 5.00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में मकर संक्रांति, बसंत पंचमी एवं नर्मदा जयंती पर्व को शांति, सौहार्द, आपसी भाईचारे एवं कानून व्यवस्था के साथ मनाए जाने हेतु की जाने वाली तैयारियों पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अवगत कराया गया कि दिनांक 14-15 जनवरी को मकर संक्रांति, 23 जनवरी को बसंत पंचमी तथा 25 जनवरी को नर्मदा जयंती का पर्व जिले में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्रित होने की संभावना को देखते हुए शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। जिले के विभिन्न नर्मदा घाटों जैसे मालपुर, मेंहदवानी, कुटरई, कोसमघाट, धरमपुरा घाट, जोगी टिकरिया, लक्ष्मण मढ़वा, रामघाट, चंदनघाट, कपिलधारा, शिवनार, तुलसीघाट सहित अन्य स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रकाश एवं साफ-सफाई एवं सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। कलेक्टर ने नगर परिषद, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, होमगार्ड, विद्युत विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, स्नान व वस्त्र बदलने की व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पार्किंग प्रबंधन तथा महिला सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध समय पर पूरे किए जाएं। साथ ही, होमगार्ड एवं तैराक दल की तैनाती, रस्सी, टॉर्च, मोटर बोट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नर्मदा जयंती के दौरान प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। भंडारों में केवल पत्तल से बने दोना-पत्तल का उपयोग किया जाएगा तथा कचरा संग्रहण की समुचित व्यवस्था आयोजकों द्वारा अनिवार्य रूप से की जाएगी। ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए लाउडस्पीकरों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा और केवल आवश्यक सूचना प्रसारण के लिए सीमित उपयोग की अनुमति होगी। यातायात व्यवस्था के संबंध में निर्णय लिया गया कि नर्मदा जयंती के दिन सुबह 8 बजे से नगर क्षेत्र में चार पहिया वाहन, ऑटो व टैक्सी का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा तथा निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े किए जा सकेंगे। भीड़ नियंत्रण, कानून व्यवस्था एवं आपात स्थिति से निपटने हेतु पुलिस, होमगार्ड, स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्व विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।बैठक में बसंत पंचमी के अवसर पर विद्यालयों में सरस्वती पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शैक्षणिक सामग्री वितरण जैसे सामाजिक व शैक्षणिक आयोजनों में जनसहभागिता का आह्वान भी किया गया। कलेक्टर ने सर्वसहमति से निर्णय लिया की नर्मदा घाट पर भोजन बनाने की अनुमति नहीं होगी। केवल श्रद्धालु स्नान और पूजा कर सकेंगे ताकि अन्य लोगों को असुविधा न हो। भोजन बनाने का स्थान घाट के बाहर उचित स्थान पर होगा। अनुविभागीय डिण्डौरी के अनुमति से डीजे सांउड एंव भंडारा वितरण शहर में उचित स्थान पर ही किया जाएगा। साथ ही साथ मां नर्मदा नदी के सातों घाटों पर अलग-अलग जगह पर पूजा-अर्चना, आरती की व्यवस्था की गई है ताकि एक ही जगह पर अव्यवस्था न फैल सकें। नर्मदा समिति के सदस्यों की मांग पर कलेक्टर ने मंदिर की पुताई और सभी घाटों पर विद्युत प्रकाश करने की व्यवस्था नगरपालिका एंव विद्युत विभाग को सौंपी गई। अंत में कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों, शांति समिति सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से अपील की कि पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से मनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

खबर संक्षेप

स्थानीय अवकाश घोषित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने वर्ष- 2026 के लिए जिले में परम्परागत त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए पूरे जिले के लिए 3 स्थानीय अवकाश घोषित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश मप्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार मकर संक्रांति बुधवार 14 जनवरी 2026 को, दुर्गा नवमी सोमवार 19 अक्टूबर 2026 और भाई दूज मंगलवार 10 नवंबर 2026 को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। उपरोक्त स्थानीय अवकाश कोषागार एवं उपकोषागार तथा बैंकों पर लागू नहीं होंगे।

नगर मे आंशिक रूप से होगी पेयजल सप्लाई

हरिभूमि न्यूज सिवनी। एतद द्वारा समस्त आम नागरिको को सूचित किया जाता है कि पुरानी नवीन जलावर्धन योजना बबरिया प्लांट में सी.एल.एफ. की सफाई हेतु दिनांक 06/01/2026 को सुबह 09:00 बजे से शाम 06:00 बजे डायरेक्ट सप्लाई, टंकी सप्लाई प्रभावित रहेगी। जिसके कारण नगर की पानी टंकियों में मरण होना बंद हो जायेगा। इस कारण दिनांक 09/01/2026 को डायरेक्ट एवं टंकी से जुडे क्षेत्रों में पेयजल आंशिक रूप से सप्लाई होगी। अतः समस्त नागरिकों से अपील है कि कम से कम 01 दिवस का पानी संग्रहण करके रखा जावे । आम नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए नगर पालिका परिषद सिवनी खेद व्यक्त करती है।

आईटीआई सिवनी में 8 जनवरी को होगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला रोजगार कार्यालय सिवनी एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08 जनवरी 2026, गुरुवार को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक शासकीय आईटीआई सिवनी में मुंद्रा सोलार आईटीआई सिवनी में मुंद्रा सोलार प्राइवेट लिमिटेड अडानी सोलार, कच्छ गुजरात द्वारा ट्रेनीज की भर्ती हेतु एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है।

जिला रोजगार अधिकारी सिवनी ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में 18 से 28 वर्ष आयु के इच्छुक पुरुष आवेदक भाग ले सकते हैं, जिन्होंने आईटीआई फिटर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन, टर्नर, एम.एम.वी., डीजल मैकेनिक, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मैकेनिकल अथवा डिप्लोमा/स्नातक डिग्री उत्तीर्ण की हो। चयनित आवेदकों को न्यूनतम 17,085/- रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8962728566 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

अवैध कटाई को लेकर जनसुनवाई में की शिकायत

किसान ने जेसीबी से गिराए गए हरे भरे वृक्ष

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

सरकार द्वारा वृक्षों को बचाने तथा वृक्ष लगाने के लिए दृढ़ संकलिप्त है जिससे हरियाली बनी रहे और लोगों को शुद्ध वायु एवं पक्षियों को छाव मिलती रहे। सरकार द्वारा किसानों को खेत की मेढ़ व खाली जगह पर वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित कर अनुदान भी दिया जा रहा है। वही कुछ किसानों द्वारा नियमों को दरकिनार कर वृक्षों को काटा जाता है ऐसा ही मामला गोटेगांव तहसील के ग्राम बिचुआ सूरवारी से सामने आया जहां पर दबंग किसान द्वारा हरे भरे वृक्षों को जेसीबी की मदद से गिराया गया। जिसकी शिकायत जनसुनवाई मे पीड़ति द्वारा की गई। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जांच के उपरांत कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

मामला इस प्रकार

जिले की गोटेगांव तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम बिचुआ सूरवारी में हरे भरे वृक्षों को जेसीबी से गिराया गया। जिसे लेकर शिकायतकर्ता चंदप्रकाश गुप्ता दिए आवेदन बताया गया है कि ग्राम में पैतृक भूमि है पास ही मंदिर एवं बानिया कौम का मरघट भी है। जिसमें चंद्रप्रकाश दुबे एंव रविशंकर कुशवाहा के द्वारा मंदिर एंव मंदिर की भूमि जो शासकीय है एंव बानिया कौम के मरघट की भूमि पर आम जामुन इमली पीपल बरगद केम बबूल के लगभग 200 पेड काट दिये गये है। पेड़ काटने से रोकने के लिये प्रयास दंबग किसान द्वारा मारपीट कर जान से मारने का प्रयास भी किया गया। शिकायत मे बताया गया है कि शासकीय भूमि पर लगे वृक्षों को काटकर बेचा जा रहा है। प्रशासन को चाहिए कि हरे वृक्षों की कटाई पर रोक लगाकर ठोस कार्रवाई करें।

मंदिर को पहुंचाई क्षति

शिकायत मे बताया गया है दबंग किसान द्वारा मंदिर एवं मरघट भूमि पर लगे वृक्षों को काटकर बेचने तथा मंदिर को भी क्षतिग्रस्त किया जा रहा था मंदिर के पास बने कुएं को भी उक्त लोगों द्वारा जेसीबी की मदद से पूरी तरह मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया और भूमि समतल कर दिया गया है। शिकायत मे उल्लेख है कि शासकीय भूमि मंदिर का कुआं एवं हनुमान जी का छोटा सा स्थान बना हुआ है। उसे भी जेसीबी मशीन द्वारा तोड दिया गया है। पीड़ति ने शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई है। अब देखना होगा प्रशासन द्वारा उक्त संबंध मे क्या कार्रवाई की जावेगी। शासकीय भूमि पर बने धार्मिक स्थालों को क्षति पहुंचाई गई जिससे धार्मिक आस्था पर ठेस पहुंचाई जा रही है। प्रशासन को चाहिए की धार्मिक हिंसा ना हो उसके पूर्व ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करे।

जेसीबी से गिराए वृक्ष

शिकायतकर्ता द्वारा जनसुनवाई में दी गई शिकायत मे बताया गया है कि चन्द्र प्रकाश दुबे एवं रवि कुशवाहा द्वारा शासकीय भूमि पर लगे वृक्षों को जेसीबी क्रमांक एम पी 20 जेड एस 9586 से हरे भरे वृक्षों को गिराया गया। जिसमें जामुन, केंता, पीपल, महुआ, अमरूद के करीब 200 पेड़ लगे हुए थे जिन्हे बिना किसी अनुमति व सूचना के काट कर बेचा जा रहा है। वही कुछ पेड़ काट कर बेचे जा चुके हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा हरेभरे वृक्षों को काटकर बेचने वालों पर क्या कार्रवाई की जाती है। वही दूसरी ओर प्रशासन द्वारा वृक्षा लगाकर हरित क्रांति की बात की जाती है वही दूसरी ओर बिना अनुमति के धड़ल्ले से हरे वृक्षों को काटा जा रहा है प्रशासन को चाहिए की जेसीबी मशीन को जब्त कर कठोर कार्रवाई की जाए। जिससे हरेभरे वृक्षों को काटने से बचाया जा सके।

तिल चतुर्थी पर भक्तों ने मांगी मुराद

श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में लगा मेला

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ऐतिहासिक श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में तिल संकटा चतुर्थी पर भगवान सिद्धि विनायक का विशेष पूजन अर्चन अभिषेक हुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एक दिवसीय मेला भी आयोजित हुआ। वहीं भक्तजनों ने विशेष तौर पर तिल के लड्डुओं सहित विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग भी अर्पण कर भगवान के समक्ष मनोरथ प्रकट कर आशीर्वाद मांगा। मंदिर के व्यवस्थापक पं शैलेष पुरोहित ने बताया कि सूर्योदय के तुरंत बाद पं कृष्णकांत उदेनिया व पं. विनोद मिश्रा ने वेद मंत्रों के बीच विनायक सरकार का पावन अभिषेक, आरती व महाप्रसाद वितरण हुआ। उल्लेखनीय है सिद्धपीठ के संस्थापक स्वर्गीय पं कृष्णकुमार पुरोहित के मार्गदर्शन में उक्त आयोजन शुरू किया गया था। जिसका पावन उद्देश्य महर्षि वेद व्यास के सांसारिक सार सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया को लेकर भगवान के भक्तों के भय, रोग, चिन्ता मुक्ति का रहता है। इस अवसर पर धर्म ध्वजा भी फहरायी गयी।

मेले में हुई जमकर खरीददारी

मंदिर परिसर में आयोजित मेले में हर वर्ग के लोगों के जमकर खरीददारी की तथा झूलों व चाट पकवानों का आनंद लिया। देर रात तक मेले व मंदिर में नागरिकों का आना-जाना लगा रहा। मेले में पुलिस प्रशासन की बेहतर सुरक्षा व्यवस्था रही। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने भी पूर्व में ही साफ-सफाई बिजली व्यवस्था आदि की थी। सिद्धी विनायक आरती मंडल के सदस्यों ने सभीसहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। आयोजन में किशन गुप्ता (सेठजी) संजय जैन, श्रवण व जय मिश्रा, अरविंद दुबे, आशीष सोनकिया, बुद्धि प्रसाद विश्वकर्मा, राहुल व रोहित मेहरा, पप्पू पटेल, अन्नीलाल प्रजापति, पवन नेमा, मोहित सराठे, सौरभ नोरिया, राजेश विश्वकर्मा, हर्षित व दीप विश्वकर्मा, संजय व योगराज महोबिया ने सक्रिय योगदान देकर सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसुनवाई में आये 98 आवेदन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 98 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

सूरजकुंड घाट में चलाया गया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सीईओ जिला पंचायत गजेंद्र सिंह के निर्देशन में जन अभियान परिषद एवं श्रीगीता निकुंज आध्यात्मिक संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में जिले के चांवरपाठा के नर्मदा नदी स्थित सूरजकुंड में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति के अवसर पर बरमान में मेला का आयोजन किया जाता है। मेले में लाखों श्रद्धालुओं आते हैं। इसके अलावा अमावस्या, पूर्णिमा, नर्मदा जयंती तथा विशेष पर्वों में भी श्रद्धालु बरमान आते हैं।

धान परिवहन वाहनों की जांच के संबंध में दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025- 26 अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार जिले में समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक में धान उपार्जन की समीक्षा में यह तथ्य परिलक्षित हुए है कि विगत वर्ष उपार्जित धान मात्रा का इस वर्ष अभी तक लगभग 90 प्रतिशत मात्रा के बराबर उपार्जन हो चुका है, जबकि उपार्जन समाप्त होने के 15 दिन शेष है। जिले में जिले के बाहर से धान लाई जाकर समर्थन मूल्य पर धान के विक्रय की रोकथाम के लिए राजस्व, सहकारिता व कृषि विभाग और कृषि उपज मंडी के मैदानी अमले के साथ जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में धान के वाहनों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

एक बुजुर्ग और एक युवा के साथ की गई अभद्रता और मारपीट की घटना को लेकर जिला कांग्रेस का धरना

भीषण ठंड में कांग्रेस का धरना जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नर्मदा बरमान घाट में जिला पंचायत सीईओ द्वारा एक बुजुर्ग और एक युवा के साथ की गई अभद्रता और मारपीट की घटना को लेकर जिला कांग्रेस का धरना दूसरे दिन भी देर शाम तक भीषण ठंड में जारी रहा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में जिले भर से आए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल से मुलाकात कर अपना समर्थन दिया। अनेक संगठन के लोगों ने भी कांग्रेस के धरना प्रदर्शन को जायज बताते हुए जिला पंचायत सीईओ की कार्यप्रणाली की निंदा की। दूसरी और एसडीएम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने धरना स्थल पर आकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष से चर्चा की। साथ ही कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल जिला प्रशासन की पहल पर कलेक्टर से मिला। किंतु चर्चा के दौरान कोई हल नही निकल सका। सोमवार के बाद मंगलवार को भी धरना पर बैठी जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि बरमान की घटना किसी व्यक्ति विशेष के सम्मान की नहीं बल्कि जिलेवासियों के सम्मान की बात है यही कारण है कि हम सभी आंदोलन रहे हैं जिला पंचायत सीईओ चाहें तो घटना पर खेद व्यक्त कर मामले का पटाक्षेप कर सकते हैं। किंतु उनके द्वारा अभी तक ऐसा ना किया जाना कई सवाल खड़े करता है। हम सभी चाहते हैं कि मामले का हल हो परन्तु यह जिला पंचायत सीईओ की पर निर्भर करता है। कि वे हल निकालना चाहते हैं या नहीं। उक्त मौके पर नीलू राय, अजय मालवीय, अस्सू नेमा, बाबी खान, आशीष राजवैध, अतुल चैरसिया, अजय दुबे, रोहित पटेल, विवेक पटेल के अलावा बड़ी संख्या में जिलेवार से आए कांग्रेसी कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रतिभा को मिला मुकाम - ऑलराउंडर यशोधन का एमपी क्रिकेट टीम में चयन

गोटेगांव के समीपवर्ती ग्राम कंजई निवासी गिरीश नारायण दुबे के पुत्र यशोधन दुबे ने क्रिकेट के मैदान में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यशोधन का चयन मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की राज सिंह डोंगरपुर सेंट्रल जोन अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यशोधन ने सत्र 2024-25 के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए कनमाडीकर ट्रॉफी में जबलपुर संभाग की ओर से सर्वाधिक 26 विकेट झटके थे और बल्लेबाजी में एक शानदार शतक लगाकर बेस्ट प्लेयर का खिताब अपने नाम किया था। बता दें कि यशोधन टीम में बतौर ओपनर बल्लेबाज और लेग स्पिनर की भूमिका निभाते हैं। उन्हें पूर्व रणजी खिलाड़ी संतोष वर्मा, सचिन धौलपुरे और पंकज नेमा से क्रिकेट का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। यशोधन की इस विशेष उपलब्धि पर खेल प्रेमियों सहित पंडित नर्मदा प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल शाला परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मोडिफाय साइलेंसर लगवाने वाले चालक को अर्थदंड

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राकेश सनोडिया द्वारा मोटर साइकिल के मोडिफाय साइलेंसर का उपयोग करने वाले चालक एवं वाहन स्वामी को अर्थदंड से दंडित किया है। उक्त अपराध कारित करने पर विधित वाहन चालक अभियुक्त भविष्य धामेचा को धारा 50/177, 190(2), 3/181, 146/196 एमव्ही एक्ट के अंतर्गत क्रमशः 500-रुपये, 10000- रुपये, 5000- रुपये व 2000- रुपये कुल 17500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया एवं वाहन स्वामी राजकुमार सिंधी को धारा 190(2), 5/180, 146/196 एमव्ही एक्ट के अंतर्गत क्रमशः 10000- रुपये, 5000- रुपये, 2000 रुपये कुल 17000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

बुढ़ैना पंचायत में लापरवाही की भेंट चढ़ा शांतिधाम

गोटेगांव जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ैना द्वारा बम्हनी गांव में नेगुवा रोड पर शांतिधाम का निर्माण कराया गया था, ताकि ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के समय सुविधा मिल सके। लेकिन वर्तमान में यह शांतिधाम अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही के कारण शांतिधाम के टीन शेड का आधा हिस्सा उड़कर अलग हो चुका है, जिससे बारिश और धूप में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।अव्यवस्थाओं का आलम यह है कि शांतिधाम तक पहुंचने के लिए पंचायत द्वारा अब तक पक्की सड़क का निर्माण भी नहीं कराया गया है। अंतिम संस्कार के लिए जाने वाले परिजनों को उबड़-खाबड़ और पथरीले रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रशासन से मांग की है कि शांतिधाम के उड़े हुए छप्पर को जल्द ठीक कराया जाए और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क का निर्माण कराकर अन्य अव्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए।

महीनों से क्षतिग्रस्त पुलिया दे रही हादसों को न्योता

गोटेगांव नगरीय क्षेत्र के अंतर्गत श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर से पथरिया कुआं सड़क पर स्थित एक महत्वपूर्ण पुलिया विगत कई महीनों से क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी हुई है। हैरानी की बात यह है कि जहां एक ओर नगर के अनेक वार्डों में नई नाली और सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है, वहीं इस अत्यंत उपयोगी पुलिया के सुधार की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यह पुलिया नेहरू वार्ड और गौरादेवी

वार्ड को जोड़ने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर पड़ती है, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है।क्षेत्रीय रहवासियों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि इस मार्ग से आम नागरिकों के साथ-साथ हाथ ठेला चलाने वाले छोटे व्यापारियों का निकलना सबसे ज्यादा रहता है। पुलिया के टूटे होने के कारण यहां आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन अन्य वार्डों में निर्माण कार्य करा रहा है, लेकिन इस गंभीर समस्या की लगातार अनदेखी की जा रही है। वार्ड वासियों ने संबंधित विभाग और नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस पुलिया का निर्माण जल्द से जल्द कराया जाए।

सर्राफा व्यवसायी अरुण पाटिल का निधन

गोटेगांव-विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित नागरिक सर्राफा व्यवसायी रिप्टा मोहल्ला निवासी सोनू पाटिल, प्रणय पाटिल के परम पूज्य पिताश्री जागृति ज्वेलर्स के संचालक श्री अरुण पाटिलजी का आकस्मिक निधन हो गया है,आप सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे,आपके निधन का समाचार प्राप्त होतेही परिवार जनों व शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त हो गया,अंतिम संस्कार शव यात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगों सहित विभिन्न राजनैतिक सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों के जनप्रतिनिधियों ने उनके निज निवास महाराष्ट्र बीटा गांव में बड़ी संख्या में शामिल होकर दाह संस्कार करने के उपरांत उपस्थित जनों ने श्री पाटिलजी की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्तकर शोकाकुल परिवार जनों को इस गहन दुख सहन करने हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की।